**सुविचार**

जो लोग मेहनत करते हैं, उन्हें कभी हार नहीं मिलती है।

दैनिक

# पंचकूला ऑब्जर्वर

सच की सीधी आवाज

वर्ष : 1 | अंक : 4 | पंचकूला। रविवार, 8 फरवरी 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4



































## अरुण ग्रोवर के नेतृत्व में अमर प्रयास फाउंडेशन का

# मेगा रक्तदान शिविर

**समाज को दिया मदद का संदेश**

**69** रक्तवीरों ने किया रक्तदान

**176** लोगों की आंखों की जांच की

**125** रक्तदान जसपाल जी मिसाल

**संजीत कुमार सिंह,**

**पंचकूला।** अमरटेक्स समूह की सामाजिक संस्था अमर प्रयास फाउंडेशन के तत्वावधान में अमरटेक्स मुख्यालय, पंचकूला में एक विशाल मेगा रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान को मुख्य रूप से प्रोत्साहित किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर कुल 69 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके साथ ही आयोजित नेत्र जांच शिविर में 176 लोगों की आंखों की जांच की गई तथा आवश्यकता अनुसार निःशुल्क चश्मे एवं दवाइयाँ वितरित की गईं। सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर में 235 लोगों की जांच की गई, जिसमें रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन एवं ऑक्सीजन स्तर की जांच शामिल रही।

शिविर में ट्राई सिटी के अनेक गणमान्य अतिथियों एवं समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से श्रीमती बांतो कटारिया, श्यामलाल बंसल, विशाल सेठ, पूर्व सेशन न्यायाधीश तेजिंदर सिंह, विश्वास फाउंडेशन के सदस्य सरल विश्वास, अंकुश निषाद, गुरबख़्श रावत (पूर्व उप महापौर एवं पार्षद), अनिल दुबे (पूर्व वरिष्ठ उप महापौर), अशोक चितकारा, डी.पी. सिंगल, अमरनाथ गोयल, विजय धीर, राजेश मल्होत्रा एवं अमित सिंह 'राधे-राधे' उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जसपाल सिंह को अब तक 125 बार रक्तदान करने की विशिष्ट उपलब्धि के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त बॉबी सिंह को भी मानव सेवा में योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर दोनों से भविष्य में भी निरंतर रक्तवीर बने रहने का आह्वान किया गया।

यह सेवा कार्यक्रम विश्वास फाउंडेशन पंचकूला की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास, 'जीना सीखो' के संस्थापक आचार्य मनीष तथा गुरुद्वारा नानक साहब, चंडीगढ़ ट्राई सिटी के प्रमुख बाबा गुरदेव सिंह के शुभ आशीर्वाद एवं गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

अवसर पर अमरटेक्स समूह के प्रबंध निदेशक एवं संस्थापक श्री अरुण ग्रोवर ने सभी अतिथियों, सहयोगी संस्थाओं, चिकित्सकों, रक्तदाताओं एवं अमरटेक्स परिवार की पूरी टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अमरटेक्स समूह भविष्य में भी समाज सेवा के ऐसे कार्य निरंतर करता रहेगा।

कार्यक्रम की सफलता में वरुण ग्रोवर, करण ग्रोवर एवं शिवम ग्रोवर सहित अमरटेक्स परिवार की पूरी टीम का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने स्वयं रक्तदान कर समाज को प्रेरित किया।

इस मेगा रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर में अमर प्रयास फाउंडेशन के साथ विश्वास फाउंडेशन, पंचकूला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, प्रोग्रेसिव पंजाबी सभा, रोटरी क्लब से डॉक्टर मनीष, ब्लड बैंक सोसाइटी, आईसीसीआई तथा पारस अस्पताल पंचकूला का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के मीडिया सहयोगी पंचकूला ऑब्जर्वर लाइव न्यूज़ रहे।

# नशा नेटवर्क से जुड़े दो व्यक्ति गुरदासपुर से गिरफ्तार 11 किलो हेरोइन, 5.7 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**गुरदासपुर।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुरदासपुर पुलिस ने संगठित नशा नेटवर्क के 2 कार्यकर्ताओं को 11 किलो हेरोइन और 5.75 लाख रुपये की ड्रग मनी सहित गिरफ्तार कर इन गिरोहों का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस पंजाब गौरव यादव ने आज यहां दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के कासिमपुर निवासी मुहम्मद वसीम और अमृतसर निवासी हरशदीप सिंह उर्फ हरश के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने हेरोइन और ड्रग मनी बरामद करने के अलावा आरोपियों की सफेद रंग की होंडा सिटी कार (आरजे45 सीआर 2918) और हुंडई वरना कार (सीएच01ए जेड 0888) भी जब्त की है, जिनका इस्तेमाल वे नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए करते थे। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए मुलजिम भारत में अपने हैंडलरों के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में थे।

उन्होंने कहा कि नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच की जा रही है। पहले मामले के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए सीनियर पुलिस सुपरिंटेंडेंट (एसएसपी) गुरदासपुर आदित्य ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी हरशदीप हरश को गुरदासपुर के गांव चिट्टी के पास से 8 किलो हेरोइन और 3.5 लाख रुपये की ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार किया गया था, जब वह अपनी वरना कार में हेरोइन की खेप डिलीवरी करने जा रहा था। एसएसपी ने बताया कि इसी तरह की एक अन्य कार्रवाई में आरोपी मुहम्मद वसीम को दीनानगर में पनियार शुगर मिल के पास नाके पर गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि उसकी होंडा सिटी कार की तलाशी के दौरान 6 पैकेटों में पैक की गई हेरोइन, जिसका वजन 3 किलो था और 2.25 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है।

आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होने की संभावना है। इस संबंध में दो अलग-अलग मामले एफआईआर नंबर 32 दिनांक 7 फरवरी, 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21सी और 27ए के तहत थाना दीनानगर में और एफआईआर नंबर 11 दिनांक 7 फरवरी, 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21सी और 27ए के तहत थाना दोरांगला में दर्ज किए गए हैं।

# भागीदारी : दूसरी राज्यव्यापी पैरेंट्स वर्कशॉप में 17.50 लाख से अधिक अभिभावकों ने लिय भाग

- हरजोत सिंह बैंस बोले– माता-पिता की भागीदारी से मजबूत होगी पंजाब शिक्षा क्रांति

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**चंडीगढ़, 7 फरवरी।** पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए स्कूल शिक्षा विभाग ने आज दूसरी राज्यव्यापी स्कूल-स्तरीय पैरेंट्स (माता-पिता) वर्कशॉप का आयोजन किया, जिसमें राज्यभर से 17.50 लाख से अधिक माता-पिता ने भाग लिया। शिक्षा मंत्री ने बताया कि स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) के नेतृत्व में शुरू की गई इस मेगा पहल ने शिक्षा प्रणाली में माता-पिताओं की भागीदारी के लिए एक नया मानक स्थापित किया है। यह पहल मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की सहभागी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है तथा 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत शिक्षा स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो रही है। श्री हरजोत सिंह बैंस ने श्री आनंदपुर साहिब क्षेत्र के सरकारी हाई स्कूल, मानकपुर (नंगल) में आयोजित वर्कशॉप में भाग लेते हुए माता-पिताओं और छात्रों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि इस वर्कशॉप का उद्देश्य स्कूलों और माता-पिताओं के बीच साझेदारी को सुदृढ़ करना और छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि वर्कशॉप के दौरान माता-पिताओं को तनाव-मुक्त परीक्षा तैयारी की रणनीतियों, सकारात्मक सोच के जरिए बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने तथा पंजाब सरकार की 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' मुहिम के तहत नशा रोकथाम, शीघ्र पहचान और सहायता के बारे में जागरूक किया गया।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर, लालचंद कटारूचक, तरुनप्रीत सिंह सौंद और हरदीप सिंह मुंडियां सहित पांच मंत्रियों तथा 40 से अधिक विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भाग लेकर सामुदायिक भागीदारी के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाया। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 में आयोजित पहली वर्कशॉप की सफलता के बाद दूसरी वर्कशॉप ने स्कूलों और माता-पिताओं के बीच तालमेल को और मजबूत किया है, जिससे बच्चों की शैक्षिक प्रगति और होम लर्निंग को प्रभावी समर्थन मिला है।

## वर्कशॉप के सुचारू संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने 3,000 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया

वर्कशॉप के सुचारू संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने 3,000 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों, जिनमें निदेशक और जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) शामिल थे, को तैनात किया। इसके अलावा, लगभग 40,000 शिक्षकों को पहले ही प्रशिक्षण दिया गया था ताकि इस पहल का वास्तविक और सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके। हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि स्कूलों और माता-पिताओं के बीच सहयोग बच्चों की शैक्षिक सफलता और समग्र विकास के लिए बेहद आवश्यक है। यह वर्कशॉप एक सहयोगी और सकारात्मक घरेलू माहौल बनाने की दिशा में सरकार के मिशन की मजबूत नींव है।

# बच्ची की मौत के बाद मेयर ने तुरंत बचाव के उपाय करने को कहा

**चंडीगढ़, 7 फरवरी।** चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी ने मीडिया में आई खबरों के अनुसार, मौली जागरण में एक आठ साल की बच्ची की दुखद मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इलाके में गंभीर सैनिटेशन और पीने के पानी की समस्याओं को दूर करने के लिए तुरंत बचाव के कदम उठाने का आह्वान किया है।

इस घटना को बेहद परेशान करने वाला बताते हुए मेयर ने कहा कि मौली जागरण से आ रही रिपोर्टें एक खतरनाक सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को उजागर करती हैं, जिस पर आगे जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। बताया जा रहा है कि इलाके के निवासी लंबे समय से दूषित और अनियमित पानी की सप्लाई, ओवरफ्लो होते सीवेज और खराब सैनिटेशन से संबंधित गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

स्थानीय रिपोर्टों और निवासियों से मिली जानकारी के अनुसार, घरों में गंदा और बदबूदार पानी सप्लाई किया जा रहा है, जबकि कई बार पानी की सप्लाई पूरी तरह से बंद रहती है। इलाके के डॉक्टरों ने भी पीलिया, टाइफाइड और हेपेटाइटिस जैसी पानी से होने वाली बीमारियों में चिंताजनक वृद्धि की बात कही है, जिसमें रोजाना कई नए मामले सामने आ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि इलाके के तीनों ट्यूबवेल कथित तौर पर कई दिनों से खराब थे।

मेयर ने कहा कि चंडीगढ़ जैसे शहर के लिए ऐसी स्थितियां स्वीकार्य नहीं हैं और इस बात पर जोर दिया कि सेक्टर 49 और धना जैसे इलाकों से भी इसी तरह की शिकायतें सामने आ रही हैं, जो कमजोर इलाकों में सैनिटेशन और पानी के इंफ्रास्ट्रक्चर की व्यापक समीक्षा की आवश्यकता का संकेत देती हैं।

# म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के निपटान का निरीक्षण करने पहुंचे निगम कमिश्नर

- आयुक्त ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के मद्देनज़र कचरा प्रबंधन प्रक्रियाओं की बारीकी से की समीक्षा

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**पंचकूला।** पंचकूला नगर निगम के आयुक्त विनय कुमार ने सैनिटेशन और इंजीनियरिंग टीम के साथ पटवी स्थित कचरा प्रोसेसिंग फैसिलिटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पंचकूला शहर से एकत्र किए जा रहे म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के निपटान और उसके वैज्ञानिक उपचार की पूरी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। यह दौरा स्थायी कचरा प्रबंधन प्रथाओं के प्रति पंचकूला नगर निगम की प्रतिबद्धता और स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 में शहर के प्रदर्शन तथा रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार करने के उसके संकल्प को दर्शाता है। निगम कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान कचरा प्रोसेसिंग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। इसमें स्रोत स्तर पर कचरे का पृथक्करण, फैसिलिटी में मैकेनिकल तरीके से कचरे की छंटाई, बायोडिग्रेडेबल कचरे से खाद निर्माण तथा पुराने प्लास्टिक और अन्य नॉन-बायोडिग्रेडेबल सामग्री जैसे लेगेसी वेस्ट के उपचार की प्रक्रिया शामिल रही। साथ ही प्लांट की ऑपरेशनल दक्षता, पर्यावरण संरक्षण उपायों और निर्धारित मानकों के अनुपालन की भी बारीकी से जांच की गई। आयुक्त ने कचरा पृथक्करण की दक्षता को और सुदृढ़ करने, खाद की गुणवत्ता में सुधार, प्लास्टिक और अन्य बेकार कचरे की वैज्ञानिक हैंडलिंग सुनिश्चित करने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण-2026 के दिशा-निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने डॉक्यूमेंटेशन, प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और परिणाम-आधारित प्रदर्शन पर विशेष जोर दिया, जो स्वच्छ सर्वेक्षण के मूल्यांकन में प्रमुख मानक माने जाते हैं।

यह दोहराया गया कि कुशल कचरा प्रोसेसिंग और स्वच्छ सर्वेक्षण के मानदंडों का सख्त अनुपालन पंचकूला की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए सबसे अहम घटकों में शामिल है। आयुक्त ने शहरी स्वच्छता के उच्च मानक हासिल करने के लिए सतत निगरानी, समयबद्ध सुधारात्मक कदमों तथा नगर निगम और फैसिलिटी ऑपरेटर के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया।

# गैंगस्टरों पर वार का 19वां दिन: पंजाब पुलिस ने 584 स्थानों पर की छापेमारी; 180 काबू

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**चंडीगढ़, 7 फरवरी।** मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई निर्णायक मुहिम 'गैंगस्टरों पर वार' को 19 वें दिन जारी रखते, पंजाब पुलिस ने आज सूबे भर में गैंगस्टरो के साथियों के पहचाने गए और मेप किए 584 टिकानों पर छापेमारी की। जानकारी अनुसार, ' गैंगस्टरों पर वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक जंग है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस डायरैक्टर जनरल ( डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने की थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स ( ए.जी. टी. एफ.) पंजाब के पूरे तालमेल के साथ सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्यवाहिया कर रही हैं। मुहिम के 19वें दिन पुलिस टीमों ने 180 व्यक्तियों को दो हथियारों समेत गिरफ़्तार किया, जिस के साथ मुहिम की शुरुआत से अब तक की कुल गिरफ्तारियों की संख्या 5290 हो गई है। इसके इलावा 112 व्यक्तियों विरुद्ध एहतियाती कार्यवाही की गई, जबकि 266 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्यवाही दौरान 11 भगौड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ़्तार किया है। उन्होंने कहा कि लोग गुप्त रूप में ज़रुरी अपराधियों/ गैंगस्टरों बारे एंटी- गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर– 93946-93946 के द्वारा रिपोर्ट कर सकते हैं और किसी भी तरह के अपराध और अपराधिक गतिविधियों बारे सूह/ जानकारी भी सांझा कर सकते है। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशे के विरुद्ध अपनी मुहिम ' युद्ध नशे के विरुद्ध' के 19वें दिन आज 95 नशे तस्करों को गिरफ़्तार किया गया।

# आंखों से जो उतरी है दिल में जैसे खूबसूरत गीतों से सुरों में भीगी 'वेलेंटाइन संगीत वर्षा'

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**चंडीगढ़, 7 फरवरी।** संगीत, प्रेम और सौहार्द के रंगों में सजी 'वेलेंटाइन संगीत वर्षा' क्राओके गायन कार्यक्रम का आयोजन चंडीगढ़ नारी एकता संगठन द्वारा कम्युनिटी सेन्टर, सेक्टर 40ए, चंडीगढ़ में किया गया। संगीतमय माहौल, मधुर स्वरों की बहार और-नृत्य के समावेश ने इस सांस्कृतिक संध्या को श्रोताओं के लिए यादगार बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में राजेश कुमारी गणेश ने अपनी मनमोहक नृत्य प्रस्तुति से किया और खूब प्रशंसा बटोरी। इस दौरान उनके साथ गुरदीप कौर एवं मीनू ने संगत की। कार्यक्रम की प्रस्तुति गायिका एवं हास्य कलाकार कंचन भल्ला ने दी। उन्होंने सधी हुई गायकी, दिल को छू लेने वाले फिल्मी गीतों और बीच-बीच में हास्य प्रस्तुतियों से सभागार को सुरों और ठहाकों से भर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में कंचन भल्ला की मधुर प्रस्तुति 'आंखों से जो उतरी है दिल में'; दिल है छोटा सा% प्रस्तुत किया,से हुई। इसके बाद उन्होंने एक भजन 'तोरा मन दर्पण कहलाए'; जिसने पूरे वातावरण को सुकून और आत्मीयता से भर दिया। कार्यक्रम का समापन 'किसी पत्थर की मूरत', 'तुमसे ओ हसीना', 'तेरी रब ने बना दी जोड़ी', 'ए गुलबदन' और 'चलते-चलते मेरे ये गीत'जैसे लोकप्रिय गीतों के साथ हुआ, जिन पर सभागार तालियों की गूंज से भर उठा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय पार्षद गुरबख्श रावत रहीं वहीं विशेष अतिथि के रूप में स्वर साधना कला फाउंडेशन, कुरुक्षेत्र के डायरेक्टर अशोक राणा; स्वर साधना कला फाउंडेशन, कुरुक्षेत्र के जनरल सेक्रेटरी कुलदीप मलिक की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई।

# ब्रश करने के तरीके से तय होती है दांतों की उम्र : रोमिका वढेरा

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**मोहाली।** दांतों की बीमारी छह साल से लेकर साठ साल तक किसी भी उम्र में हो सकती है। दांतों की संभाल के लिए सबसे अहम ब्रश करने का तरीका है। उक्त विचार प्रयोग फाउंडेशन के प्रोजेक्ट ऑपरेशन दंत रक्षक के तहत सरकारी एलीमेंट्री स्कूल बठलाना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए इंडियन डेंटल एसोसिएशन मोहाली की पूर्व अध्यक्ष एवं दंत चिकित्स रोमिका वढेरा ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अक्सर विद्यार्थी ब्रश पर अधिक मात्रा में पेस्ट लगाकर करते है। पेस्ट का अधिक इस्तेमाल भी दांतों को कमजोर बनाता है। दांतों की देखभाल के लिए चार से पांच माह के भीतर ब्रश बदलना जरूरी है और सामान्य विद्यार्थी को मटर के दाने की तरह ही पेस्ट लगाना चाहिए।

दांतों की संभाल के लिए दो से तीन मिनट तक दिन में दो बार ब्रश करना जरूरी है। रोमिका वढेरा ने विद्यार्थियों को ब्रश करने के सही तरीके के बारे में भी बताया। इस अवसर पर प्रयोग फाउंडेशन के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा दांतों की संभाल के लिए अब तक 48 जागरूकता शिविर तथा कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इस अवसर पर जिला यूथ क्लब तालमेल कमेटी के प्रधान हरदीप सिंह बठलाना तथा समाज सेवी पूजा जयसवाल की तरफ से सभी बच्चों को ब्रश तथा पेस्ट मुफ्त वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान ठेकेदार मोहन सिंह, सरपंच हरपाल सिंह, युवाक सेवाएं क्लब के प्रधान सुखवीर सिंह, ज्ञानी निर्मल सिंह, स्कूल अध्यापिका ममता, किरण, पूजा, हरप्रीत समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

# इंडो-यूएस संयुक्त बयान पर मनीष तिवारी के तीखे सवाल, कहा-देश को बताया जाए क्या वादा किया

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**चंडीगढ़, 7 फरवरी।** भारत और अमेरिका के बीच 6 फरवरी को जारी संयुक्त बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद मनीष तिवारी ने समझौते में टैरिफ से जुड़ी भाषा को लेकर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई है और इस मुद्दे पर संसद में व्यापक चर्चा की मांग की है।

मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया मंच ङ्क पर लिखा कि संयुक्त बयान का एक वाक्य यह संकेत देता है कि भारत ने अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार को काफी हद तक खोलने पर सहमति दे दी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इसका मतलब यह समझा जाए कि भारत ने इन क्षेत्रों में अमेरिका को लगभग बिना रोक-टोक प्रवेश देने का वादा किया है।

संयुक्त बयान में कहा गया है कि भारत अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं पर टैरिफ समाप्त या कम करेगा और अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर भी शुल्क घटाएगा, जिनमें डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (ष्ठष्ठत्रह्य), पशु चारे के लिए लाल ज्वार, ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल, वाइन और स्पिरिट्स समेत अन्य उत्पाद शामिल हैं।

तिवारी ने विशेष रूप से ÷द्बठ्ठष्द्यह्वस्रद्बठ्ठद्द÷ शब्द के उपयोग पर ध्यान दिलाया और कहा कि इससे यह स्पष्ट नहीं होता कि सूची यहीं तक सीमित है या आगे और उत्पाद भी इसमें जोड़े जा सकते हैं। उनके मुताबिक यह भाषा दूरगामी और संभावित रूप से गंभीर प्रभाव पैदा कर सकती है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि वित्त विधेयक 2026 में पहले ही कई टैरिफ लाइनों पर रियायतें दी जा चुकी हैं। ऐसे में अब यदि अतिरिक्त कटौतियों या समाप्ति की बात हो रही है तो देश को यह जानने का अधिकार है कि बदले में भारत को क्या मिला है और घरेलू उद्योग व किसानों के हित किस तरह सुरक्षित रखे जाएंगे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि इतने महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक असर वाले विषय पर पूर्ण पारदर्शिता जरूरी है और सरकार को संसद में विस्तृत बयान देना चाहिए।

तिवारी ने मांग की कि इस मुद्दे पर फुल-फ्लेज्ड डिबेट कराई जाए ताकि स्थिति स्पष्ट हो और किसी भी तरह की आशंका या भ्रम दूर हो सके।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि यह एक अंतरिम व्यापार ढांचा है और अंतिम समझौते से पहले कई चरणों की बातचीत बाकी है। सरकार का दावा है कि संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की अनदेखी नहीं की जाएगी।

# दिनदिहाड़े सब्जी मंडी से लाखों रुपये से भरा बैग चोरी

**चंडीगढ़।** शनिवार थाना 26 क्षेत्र एरिया के अंतर्गत सब्जी मंडी में दिनदिहाड़े उस वक्त हड़कंप मच गया। जब मंडी के व्यापारी का गाड़ी में रखा बैग चोरी हो गया। चोरी हुए बैग में 4.20 लाख रुपए की नकदी, खाने का टिफिन और फरूट था। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।मौके पर पहुंची पुलिस मामले को लेकर जांच पड़ताल में जुट गई है।और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो को भी खगाल रही है। शिकायतकर्ता हरियाणा के जिला पंचकूला निवासी छतरभुज ने बताया कि शनिवार सुबह सैक्टर 26 सब्जी मंडी में गाड़ी खड़ी कर किसी काम से गया और उसी वक्त आ गया। देखा कि गाड़ी में रखा बैग जिसमें 4.20 लाख रुपए की नकदी,टिफिन और खाने के लिए फरूट गायब था। इसके बाद मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई।

## मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना से 65 लाख परिवारों को मिला 10 लाख रुपए का सुरक्षा कवच

# मजदूर सुलखन सिंह के लिए संजीवनी बना हेल्थ कार्ड, 3 लाख का मुफ्त इलाज: धालीवाल

पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**अमृतसर, 7 फरवरी।** आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता और विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि भगवंत मान सरकार द्वारा जनता से किए गए वादे जमीनी स्तर पर सच होते दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच के चलते 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना' अब पूरी तरह प्रभावी हो चुकी है।

शनिवार को आप नेता प्रभबीर सिंह बराड़ और गुरप्रताप सिंह संधू के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए धालीवाल ने बताया कि इस योजना के तहत पंजाब के लगभग 65 लाख परिवारों को 10 लाख रुपए तक के कैशलेस इलाज की सुविधा सुनिश्चित की गई है, जो विशेष रूप से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

योजना की सफलता का जीवंत प्रमाण देते हुए धालीवाल ने गुरदासपुर के गांव गुरदासनंगल निवासी सुलखन सिंह का उदाहरण साझा किया। उन्होंने बताया कि दिहाड़ी मजदूरी करने वाले सुलखन सिंह अचानक दिल की गंभीर बीमारी की चपेट में आ गए थे, जिसके इलाज का खर्च डॉक्टरों ने करीब 3 लाख रुपए बताया था।

आर्थिक तंगी के कारण परिवार के लिए यह खर्च उठाना असंभव था, लेकिन मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत मात्र एक दिन में उनका हेल्थ कार्ड तैयार किया गया। इसके बाद अमृतसर के एक निजी अस्पताल में बिना एक भी पैसा खर्च किए उनके दिल का सफल ऑपरेशन हुआ और स्टेंट डाले गए। धालीवाल ने कहा कि सुलखन सिंह का स्वस्थ होकर घर लौटना उन विरोधियों को करारा जवाब है जो सरकार की नीतियों को महज %जुमलेबाजी% करार देते हैं।

धालीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार का मुख्य एजेंडा शिक्षा और स्वास्थ्य के ढांचे को मजबूत करना है। दोनों क्षेत्रों में निवेश कर सरकार आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत और सुरक्षित भविष्य तैयार कर रही है। पिछली सरकारों के दौरान गरीब वर्ग महंगे इलाज के कारण या तो कर्ज में डूब जाता था या इलाज के अभाव में दम तोड़ देता था, लेकिन मान सरकार ने स्वास्थ्य को हर नागरिक का बुनियादी अधिकार बनाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पतालों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि किसी भी मरीज को किसी प्रकार की परेशानी न हो और कोई भी अस्पताल कार्ड धारक से अतिरिक्त राशि की मांग न कर सके। आप नेता ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने दशकों तक सत्ता में रहकर इन बुनियादी सुविधाओं को नजरअंदाज किया, उन्हें आज बदलाव पच नहीं रहा है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अपना हेल्थ कार्ड बनवाएं।

# विकसित भारत के विजन को गति देने को पंजाब साइंस कांग्रेस का एसडी कॉलेज में आगाज




पंचकूला ऑब्जर्वर न्यूज

**चंडीगढ़।** पंजाब एकेडमी ऑफ साइंसेज, पटियाला के तत्वावधान में ÷कटिंग-एज साइंस एंड टेक्नोलॉजी÷ एक विकसित भारत के लिए युवाओं को सशक्त बनाना÷ थीम पर आयोजित तीन दिवसीय 29वीं पंजाब साइंस कांग्रेस का उद्घाटन शनिवार को सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में हुआ।

इस प्रतिष्ठित अकादमिक आयोजन में देशभर से एक हजार से अधिक वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति-निर्माता और युवा शोधार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया गया। पंजाब साइंस कांग्रेस के साथ-साथ कॉलेज परिसर में इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप फेस्ट का भी उद्घाटन किया गया, जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान, स्टार्ट-अप संस्कृति और युवाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों पर विशेष ध्यान दिया गया।

## एक नजर

### घरेलू कलह ने उजाड़ा घर, 3 बच्चों के पिता ने फंदा लगाकर दी जान

**करनाल।** जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव दहा में एक 37 वर्षीय व्यक्ति द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक का शव घर के अंदर पंखे से लटका हुआ मिला। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में घटना का कारण लंबे समय से चल रहा पारिवारिक तनाव और घरेलू कलह माना जा रहा है। मजदूरी कर पालता था तीन बच्चों का पेट मृतक की पहचान रवि (37) पुत्र राम सिंह के रूप में हुई है। रवि मूल रूप से प्रवासी था और मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करता था। वह अपने पीछे तीन मासूम बच्चों को छोड़ गया है। बताया जा रहा है कि रवि की पत्नी उससे अलग रहती थी, जिसके कारण वह मानसिक रूप से काफी परेशान था। घटना का खुलासा तब हुआ जब रवि के घर में काफी देर तक कोई हलचल नहीं हुई। आसपास के लोगों और परिजनों ने जब दरवाजा खोला तो रवि का शव पंखे पर रस्सी के फंदे से लटका देख उनके होश उड़ गए। तुरंत इसकी सूचना मधुबन थाना पुलिस को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने टीम को मौके पर बुलाया। टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं ताकि मौत के कारणों की सटीक पुष्टि हो सके। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवा दिया। शुरुआती जांच में मामला घरेलू कलह से जुड़ा प्रतीत हो रहा है क्योंकि मृतक की पत्नी उससे अलग रह रही थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### नगराधीश ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में विद्यार्थियों से सांझा किए अनुभव

**सिरसा।** राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा में परीक्षा पे चर्चा के अंतर्गत अजय सिंह नगराधीश ने मुख्यातिथि और मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं स्टाफ सदस्यों ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत परीक्षा संबंधी मुख्य बिंदु विस्तार से बताए और अपने अनुभव भी सांझे किए। विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि के वक्तव्य को बड़े ध्यानपूर्वक सुना और ज्ञान भी प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में रमेश कुमार खंड शिक्षा अधिकारी सिरसा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य होते हैं और साथ में कहा कि कुछ दिनों के पश्चात आपकी वार्षिक परीक्षा है, आप सभी लगन और ध्यानपूर्वक तैयारी कर अपने माता-पिता गुरुजनों का नाम रोशन करें। अपने वक्तव्य में विद्यालय के प्रधानाचार्य मदन मलिक ने कहा कि आपकी पूरे वर्ष की जो तपस्या है,आपने अथक परिश्रम मेहनत की है, उसको साकार करने का समय अब आ गया है आप अपना पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। कार्यक्रम का मंच संचालन कर रहे चमन भारतीय शिक्षाविद ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अध्ययन करते समय कोई प्रश्न आपको समझ में नहीं आ रहा है तो अपने गुरुजनों से उस प्रश्न के बारे में चर्चा कर, उसे प्रश्न को समझें और प्रश्न याद करने के बाद उसको लिखकर अवश्य देखें, ताकि वार्षिक परीक्षा में लिखते समय आपको किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो और वार्षिक परीक्षा का 3 घंटे का जो समय है, वह भी आप ध्यान में रखें, ताकि समय पर आप सभी प्रश्न हल कर सके।

### हारे का सहारा ट्रस्ट ने नहर कॉलोनी में भरा भात

**सिरसा।** हारे का सहारा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भात सरामणि मुहिम को आगे बढ़ाते हुए नहर कॉलोनी में एक बेटी के विवाह में भात भरा। ट्रस्ट के प्रधान मनीष सिंगला अपने सहयोगियों के साथ नहर कॉलोनी में पहुंचे और अंजलि को आशीर्वाद देते हुए भात भरा। इस मौके पर मनीष सिंगला ने कहा कि बेटिया पैदा नहीं होती वो तो अवतरित होती है। यह भात भरने का सौभाग्य मुझे मेरी स्वर्गीय माता श्रीमती सुशीला देवी जी की कृपा और आशीर्वाद से प्राप्त हुआ है। जब बेटी का भात भरते हैं तो ऐसा महसूस होता हैं जैसे अपनी माँ के चरणों में नमन कर रहा हूँ। आज इस पावन अवसर पर यह रस्म निभाकर मुझे आत्मिक शांति और तृप्ति का अनुभव हुआ। हमारे संस्कार हमें परिवार और रिश्तों की महत्ता सिखाते हैं, और ऐसे शुभ मौकों पर शामिल होना अहमियत रखते हैं। मनीष सिंगला ने बताया कि इस वर्ष का ये दूसरा भात है और ट्रस्ट का हमेशा से प्रयास रहा हैं कि जब भी जहाँ भी किसी बेटी को जरूरत हो वहाँ हमेशा मददगार बनता हैं। इस दौरान परिवार भावुक हुआ और कहा कि मनीष सिंगला ने जो मदद दी है उसके लिए हमेशा उनके शुक्रगुज़ार रहेंगे। मनीष सिंगला ने आज मामा की भूमिका अदा की हैं और बेटी को आशीर्वाद दिया हैं।

### भजन संध्या व भंडारे का आयोजन

**सिरसा.** अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से मंदिर के चौथे 14 दिवसीय स्थापना महोत्सव के चौथे दिन बुधवार रात को भजन संध्या व भंडारे का आयोजन किया गया।मंदिर के मुख्य सेवक पवन गर्ग ने बताया कि मंदिर का चौथा स्थापना महोत्सव के चौथे दिन बुधवार शाम को 6ः15 बजे मंदिर के पुजारी राकेश शास्त्री, हितेश शर्मा, धनंजय शुक्ला, शशिकांत शुक्ला, दुलीचंद शर्मा ने पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना संपन्न करवाई। इसके बाद बाबा श्याम की पवन ज्योत प्रज्जवलित की गई। रात 7ः15 बजे राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया व भजन- कर दो बेड़ा पार मैं खाटू आएंगा, भर दे श्याम झेली भर दे, किस्मत वालों को मिलता है श्याम तेरा दरबार, तेरा किसने किया श्रृगार सांवरे, घुंघटियो आड़ै आग्यो जी मैं देख कोनी पाई बाबा श्याम, चाकर राख ले सांवरिय तेरो बहोत बड़ो दरबार सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद हिसार से आए भजन गायक अभिनव ऐरन ने भजनों के माध्यम से बाबा श्याम के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई। ऐरन ने भजन- आओ जी आओ खुशियां मनाओ, वो आ गया खाटू वाला नील घोड़े वाला, कीज्यो केसरी के लाल मेरा छोटा सा काम, वीर हनुमाना अति बलवाना, लहर लहर लहराये रे झंडा बजरंग बली का, हारा हूं बाबा पर तुम पर भरोसा है, हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा, छोडेगें ना हम तेरा साथ ओ बाबा मरते दम तक सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी, जिन पर श्यामप्रेमी रात भर नाचते रहे।

### 50 साल एक राष्ट्र मैगी के अन गिनत 'साथ होने के पल, अब आधिकारिक तौर पर प्रमाणित

**चंडीगढ़।** नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है, जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया। पिछले पाँच दशकों में मैगी ने नूडल्स और मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है।

# हुड्डा के दिल्ली आवास पर सर्वदलीय भोज, राहुल-प्रियंका समेत 85 से अधिक सांसद हुए शामिल

**पंचकूला ऑब्जर्वर, चंडीगढ़/नई दिल्ली**

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आज अपने दिल्ली निवास 15, तालकटोरा रोड पर भोज का आयोजन किया। जिसमें नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी समेत विभिन्न दलों के 85 से अधिक सांसद, लगभग हरियाणा के सभी कांग्रेसी विधायक व पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री मौजूद रहे।

कार्यक्रम में राजनीतिक जगत की अन्य दिग्गज हस्तियों के अलावा प्रेस व मीडिया से जुड़े तमाम बड़े चेहरे मौजूद रहे। इस दौरान राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने भूपेंद्र हुड्डा व दीपेंद्र हुड्डा के साथ सभी स्टॉल्स पर जाकर विभिन्न व्यंजनों का आनंद लिया। दोनों नेताओं ने लगभग एक घंटे तक हुड्डा परिवार के साथ समय भी बिताया।

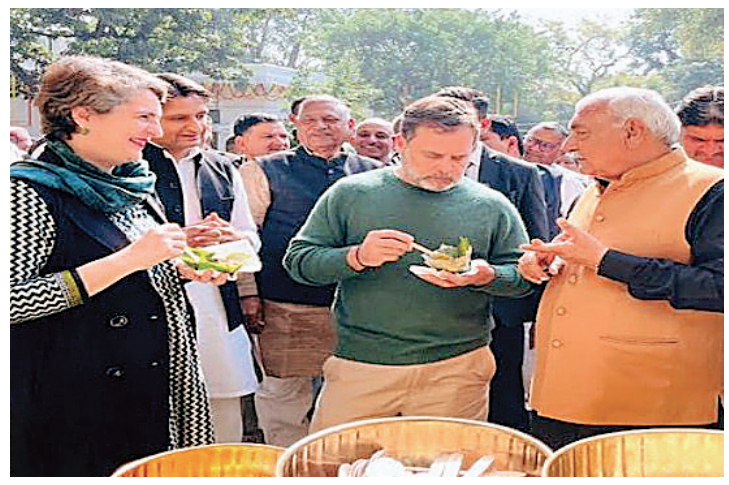

इस भोज की खास बात ये रही कि दलगत राजनीति से हटकर तमाम दलों के प्रमुख नेताओं ने हरियाणवी शैली के शुद्ध देशी खाने का आनंद उठाया। एक तरफ संसद में राजनीतिक गहमागहमी थी, तो दूसरी तरफ संसद से कुछ ही कदमों की दूरी पर राजनीति व मीडिया से जुड़े नामचीन लोग लजीज व्यंजन का स्वाद ले रहे थे, जिसकी सोशल मीडिया में काफी चर्चा रही।

इस दौरान पूर्व मुख्य मंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा एवं सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने गर्मजोशी के साथ मेहमानों का स्वागत किया। दोपहर के इस भोजन के साथ-साथ लोग सम-सामयिक मुद्दों पर गंभीर चर्चा भी करते दिखाई दिए। भोज के बहाने से कई पुराने साथियों की आपस में मुलाकात भी हुई और विचार-विमर्श भी हुआ।

ज्ञात हो कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा हर वर्ष लोहड़ी एवं मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में दिल्ली में अपने आवास पर भोज का आयोजन करते रहे हैं। आज दोपहर के लंच में शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जया बच्चन, सचिन पायलट, मिलिंद देवड़ा, बी के हरिप्रसाद, सौगता रॉय, मुकुल वासनिक, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद, संदीप दीक्षित, दिग्विजय सिंह, मनोज कुमार झा, प्रफुल्ल पटेल, राजीव शुक्ला, आनंद शर्मा, जनार्धन द्विवेदी, हरेंद्र मलिक, किशोरी लाल शर्मा, मोहम्मद जावेद, जोथीमणि सेन्निमलाई, टी सुमति, जीतू पटवारी, हरीश चौधरी, एस वेंकटेश, अखिलेश प्रसाद सिंह, प्रमोद तिवारी, उम्मेदाराम बेनीवाल, हरीश मीणा, नासिर हुसैन, राव नरेंद्र, राघव चड्ढा, महुआ मोइत्रा, गुरदीप सप्पल, अक्षय यादव, नीरज दांगी, मनोज कुमार सासाराम, संजना जाटव, उज्ज्वल रमन सिंह, धर्मेंद्र यादव, इमरान प्रतापगड़ी, रंजीता रंजन, पप्पू चौधरी, शशिकान्त सेंथिल, पवन खेड़ा, अश्वनी कुमार, प्रियंका चतुर्वेदी, सुप्रिया श्रीनेत सहित हरियाणा कांग्रेस के लगभग सभी विधायक, सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद, जिला अध्यक्ष के साथ-साथ सैंकड़ों गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे

# शिक्षा समिति प्रेमनगर ने बदली गांव के सरकारी हाई स्कूल की सूरत, डीईओ ने की सराहना

**पंचकूला ऑब्जर्वर, भिवानी**

यदि हम बात करें कि स्थानीय समुदाय और विद्यालय एक-दूसरे के पूरक है और आपसी सहयोग पर ही दोनों की उन्नति संभव है। यह बात ग्राम शिक्षा समिति प्रेमनगर और प्रेमनगर के सरकारी स्कूल पर फिट बैठती है। जहां गांव प्रेमनगर की शिक्षा समिति ने लाखों रूपए खर्च करके ना केवल गांव के हाई स्कूल में अनेक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई, वही दूसरी तरफ गांव के हाई स्कूल के अध्यापकों ने पढ़ो और पढ़ाओ का मूलमंत्र लेकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का प्रयास कर रहे है। जिसकी बदौलत गांव में स्थित राजकीय उच्च विद्यालय जिले के अच्छे विद्यालयों में शुमार है।

बीते दिनों जिला शिक्षा अधिकारी डा. निर्मल दहिया और खंड शिक्षा अधिकारी भिवानी डा. अनिल गौड ने गांव के हाई स्कूल का दौरा किया और शिक्षा समिति के प्रयासों की जमकर सराहना की। दरअसल गत वर्ष गांव के युवा सरपंच राजेश कुमार ने गांव के सरकारी स्कूलों की दशा सुधारने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बीड़ा उठाया और इसके लिए

जोगेंद्र सिंह की अध्यक्षता में ग्राम शिक्षा समिति का गठन किया।

उन्होंने स्कूल के सौंदर्यकरण की कमान शिक्षा समिति और गांव के पूर्व प्राचार्य रमेश बूरा को सौंपी। परिणामस्वरूप गांव के सरकारी हाई स्कूल के दिन फिरते गए। उल्लेखनीय है कि पूर्व प्राचार्य रमेश बूरा जहां-जहां रहे, उन्होंने उन सरकारी स्कूलों की काया पलट दी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भिवानी और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिताथल को ना केवल मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यकरण में दोनों को खंड व जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार दिलवाया, अपितु विद्यालय में छात्र-छात्राओं के बीच अनुशासन, समाजसेवा, शिक्षा और संस्कार पैदा करने बारे सराहनीय कार्य किए। वर्तमान में गांव में स्थित सरकारी स्कूल के सौंदर्यकरण में जुटे है।

**ये कार्य भी कर रही है शिक्षा समिति:** शिक्षा समिति प्रेमनगर गांव के सरकारी स्कूलों की दशा सुधारने में इनके सौंदर्यकरण, इन्वर्टर-बेटरी, पंखों, इनकी लघु मुरम्मतों के साथ-साथ गांव में प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान चलाने, समय-समय पर नशे के खिलाफ ग्रामीणों को जागरूक करने, पौधारोपण करने, पर्यावरण व जल संरक्षण, यातायात नियमों की विद्यार्थियों को जानकारी देने इत्यादि सराहनीय कार्य कर रही है।

### क्या कहते हैं सरपंच राजेश कुमार

सरपंच राजेश कुमार ने कहा कि ग्राम पंचायत और ग्राम शिक्षा समिति प्रेमनगर गांव के सरकारी स्कूलों की दशा सुधारने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बारे हर संभव प्रयास कर रही है। हाई स्कूल में 45 लाख रूपये की लागत से इसके प्रांगण को इंटरलॉकिंग किया जा चुका है और समिति द्वारा छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास बारे काफी कदम उठाए गए हैं।

### छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है उद्देश्य : रमेश बूरा

शिक्षा समिति प्रेमनगर के संयोजक एवं पूर्व प्राचार्य रमेश बूरा ने कहा कि हमारा लक्ष्य छात्र-छात्राओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करवाने और वर्ष 2027 के अंत तक गांव के सभी सरकारी स्कूलों की हालत में सुधार करके इनका सौंदर्यकरण करना है। गांव की शिक्षा समिति शिक्षा में गुणात्मक सुधार के साथ-साथ गांव में स्वच्छता, पौधारोपण, पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान चला रही है।

### जनस्वास्थ्य विभाग ने दुरूस्त की डाबर कॉलोनी और मुरारी सिनेमा रोड पर पेयजल लाईन लीकेज की समस्या

**भिवानी.** शहर में जहां भी सीवरेज या पेयजल से संबंधित समस्या जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के संज्ञान में आती है, उसके साथ ही उसको दुरूस्त करने काम किया जा रहा है। डीसी के निर्देशानुसार विभाग ने डाबर कॉलोनी और मुरारी सिनेमा रोड़ क्षेत्र में पेयजल लीकेज की समस्या को दुरूस्त कर दिया है। इसके अवाला दिनोद रोड़ पर स्लैब डालने का काम दिया है, जो जिनके ना होने से नागरिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। उल्लेखनीय है कि डीसी साहिल गुप्ता द्वारा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि शहर में पेयजल और सीवरेज से संबंधित समस्याओं का तुरंत प्रभाव से समाधान किया जाए। इसी कड़ी में मुरारी सिनेमा रोड़ और डाबर कॉलोनी में पेयजल लाईन लीकेज होने और दिनोद रोड़ पर नाले पर स्लैब ना होने का मामला डीसी के संज्ञान में आया। मामला संज्ञान में आते ही डीसी ने विभाग को तुरंत प्रभाव से समस्या को दुरूस्त करने के निर्देश दिए। डीसी के निर्देशानुसार विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और समस्या को दुरूस्त किया। जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता कपिल देव ने बताया मुरारी सिनेमा रोड़ क्षेत्र में नगर परिषद द्वारा करवाए गए कार्य के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। विभाग के जैसे ही संज्ञान में मामला आया तो लाईन को दुरूस्त करवा दिया गया। इसी प्रकार से दिनोद रोड़ पर नाले पर भी स्लैब रखवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग के संज्ञान में जो भी समस्या आती है, उसका तुरंत प्रभाव से समाधान किया जा रहा है।

### संत निश्चल सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वीमेन में ब्लैक बोर्ड लेखन प्रतियोगिता आयोजित

**यमुनानगर** संत निश्चल सिंह कॉलेज ऑफ एजुकेशन फॉर वीमेन के प्रांगण में को बीएड विद्यार्थियों के शैक्षणिक कौशल को निखारने के उद्देश्य से ब्लैक बोर्ड लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य भावी शिक्षकों में साफ-सुथरी लिखावट, विषयवस्तु की स्पष्ट प्रस्तुति तथा प्रभावी अध्यापन कौशल का विकास करना रहा। इस प्रतियोगिता में बीएड पाठ्यक्रम की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

## स्कूली बच्चों में जगाई नवाचार की अलख, पढ़ाई के साथ उद्यमिता जरूरी

**यमुनानगर।** डीएवी गर्ल्स कॉलेज के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से स्कूली बच्चों में नई सोच, नवाचार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्प्रिंग डेल्स पब्लिक स्कूल तथा राजकीय उच्च विद्यालय, पांसरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोनों स्कूलों में विद्यार्थियों को शिक्षा, नवाचार एवं उद्यमिता से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। पांसरा स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. सुरिंद्र कौर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा और नवाचार आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य स्पष्ट करने, निरंतर प्रयास करने और उद्यमिता के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। फाइन आर्ट विभाग अध्यक्ष विकास वालिया व इनोवेशन एंबेस्डर डॉ. स्मृति ने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी पोलिटेक्निक डिप्लोमा, सर्टिफिकेट कोर्स, डिजिटल मार्केटिंग, होटल मैनेजमेंट, आईटीआई सहित कई क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं।

# अधिकारी समस्याओं का साथ-साथ ही करें समाधान : डीसी

### नागरिकों की समस्याओं को अधिकारी अपने पास लंबित ना रखें : डीसी

**पंचकूला ऑब्जर्वर, भिवानी**

डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में अधिकारियों के साथ समाधान शिविरों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समाधान शिविरों में आने वाली समस्याओं का साथ-साथ ही समाधान करें। नागरिकों की समस्याओं को अधिकारी अपने पास लंबित ना रखें। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी स्वयं चंडीगढ़ से समाधान शिविरों की समीक्षा करते हैं, ऐसे में समाधान शिविरों में आने वाली समस्याओं को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध तरीके से समाधान करें।

डीसी श्री गुप्ता ने कहा कि चंडीगढ़ में समाधान शिविरों समीक्षा के दौरान से समस्याओं से संबंधित किए गए समाधान की पुष्टि को लेकर उच्चाधिकारियों द्वारा सभी जिलों में नागरिकों से बात की जाती हैं और उनसे संबंधित विभाग द्वारा किए गए समाधान की जानकारी ली जाती है। यदि समस्या के समाधान पर खानापूर्ति होती है तो नागरिक ही उच्चाधिकारियों को अवगत करवाते हैं। जिस कारण से अधिकारियों द्वारा समस्या चंडीगढ़ से रिओपन किया जाता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित समस्याओं को अधिकारी गंभीरता के साथ प्राथमिकता से लें। सरकार के आदेशानुसार प्रत्येक सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में नागरिकों की समस्याएं सुन उनका समाधान करना होता है। अधिकारी समस्या के समाधान के नाम पर खानापूर्ति ना करें। इसके उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान शिविरों में आई शिकायतों का समाधान कर उसकी एटीआर पोर्टल पर स्पष्ट एवं पूर्ण रूप से अपडेट करें। इस दौरान एडीसी दीपक बाबू लाल करवा, सीटीएम अनिल कुमार, डीएमसी गुलजार मलिक, सीएमजीजीए ऋषभ रंजन, डीएसपी महेश कुमार, डीडीपीओ सोमबीर कादयान, सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य, एलडीएम बिभूति पांडेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी रविन्द्र कुमार, जिला कल्याण अधिकारी देवेन्द्र शर्मा, डीएफओ प्रदीप कौशिक सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

# भिवानी की बेटी मुस्कान श्योराण ने फिर बढ़ाया मान

**भिवानी.** हरियाणा की माटी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल पटल पर अपनी चमक बिखेरी है। दुबई में आयोजित हुए यूथ एशियन पैरा गेम्स में शॉट पुट (गोला फेंक) और डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीतकर लौटी मुस्कान श्योराण को लोहारू से विधायक राजबीर फरटिया ने स्थानीय विद्या नगर स्थित मुस्कान के निवास पर पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुस्कान श्योराण ने न केवल दुबई में देश का तिरंगा फहराया है, बल्कि उनका अब तक का करियर स्वर्णिम रहा है। वह इससे पहले सीनियर नेशनल में दो बार गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। जूनियर नेशनल में भी गोल्ड मेडल हासिल किया है। यही नहीं खेलो इंडिया गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब इसके बाद उन्होंने यूथ एशियन पैरा गेम्स में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है, जहां 45 देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। मुस्कान को सम्मानित करते हुए विधायक राजबीर फरटिया ने कहा कि मुस्कान ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी मेहनत और जज्बे से

जो मुकाम हासिल किया है, वह सराहनीय है। विधायक ने कहा कि मुस्कान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर ना केवल अपने क्षेत्र, बल्कि पूरे प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है। इनके हौसले और जज्बे को सलाम है। उन्होंने कहा कि आज की बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। सरकार और समाज का यह दायित्व है कि हम ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में हर संभव मदद करें, ताकि वे ओलंपिक जैसे मंचों पर देश के लिए गोल्ड जीत सकें। मुस्कान की यह जीत अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। वही मूल रूप से गांव पहाड़ी व हाल विद्या नगर निवासी मुस्कान के पिता रमेश श्योराण ने मुस्कान के संघर्ष के दिनों को याद करते हुए विधायक का आभार जताया। उन्होंने कहा कि एक पिता के लिए इससे गर्व की बात और क्या हो सकती है कि उसकी बेटी को उसकी मेहनत की वजह से पहचाना जा रहा है। मुस्कान ने दिन-रात अभ्यास किया और कभी हार नहीं मानी तथा उसकी प्रतिभा को निखारने में उनके कोच का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि उन्हे पूरा विश्वास है कि मुस्कान अपनी मेहनत जारी रखेगी और भविष्य में वर्ल्ड चैंपियनशिप और पैरा-ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर स्वर्ण पदक जीतेगी। इस अवसर पर राजपूत समाज के प्रधान बृजपाल पप्पू, डा. जयपाल, राजेश बड़ेसरा, राजेश सांगवान, बलवान डीपीई, योगेंद्र प्रजापत सहित विद्या नगर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

# करीब चार करोड़ रुपए में दुरूस्त होगी कस्बे की मेन सीवरेज लाइन

**भिवानी.** विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि के प्रयासों से आने वाले कुछ ही समय में कस्बा बवानीखेड़ा में सीवरेज जाम की समस्या दूर हो जाएगी। कस्बे में खेड़ी दौलतपुर रोड़ पर एसटीपी तक जा रही सीवरेज मेन लाईन के करीब 300 मीटर के टुकड़े को दुरूस्त किया जाएगा, जिसका टेंडर अलॉट कर दिया गया है। इस कार्य पर करीब चार करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं मानसून के दौरान जलभराव से प्रभावित कस्बे में कमेटी रोड़ पर सीवरेज लाइन में जमा गाद को साफ करने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है, जो कि एक सप्ताह भर में पूरा हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि मानसून के दौरान कस्बे का विशेष तौर से बाहरी क्षेत्र जलमग्न हो गया था। जलभराव होने से सीवरेज की लाईनों में भारी मात्रा में गाद जमा हो गई थी, जिससे कस्बे में करीब 50 से 60 प्रतिशत लाइन चोक हो गई। सीवरेज लाइन लाइन जाम होने से गंदे पानी की निकासी की समस्या बनी और सीवरेज लाईने ओवरफ्लो होने लगी। इससे नागरिकों को गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। पानी निकासी को लेकर विधायक श्री वाल्मीकि हर समय अधिकारियों के साथ पानी के बीच खड़े रहे वहीं दूसरी ओर डीसी साहिल गुप्ता ने भी स्वयं कस्बे का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया था। विधायक और डीसी ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को पानी की निकासी के साथ-साथ सीवरेज लाईनों को भी दुरूस्त करने के निर्देश दिए। इस पर जनस्वास्थ्य विभाग ने लाईनों को दुरुस्त करने टेंडर लगाया और काम शुरू किया। विभाग द्वारा कस्बे में अधिकांश हिस्सों में सफाई का काम कर दिया गया है। अब कमेटी रोड़ पर युद्ध स्तर पर का जारी है। यह कार्य सप्ताहभर में पूरा हो जाएगा।

विभाग के कार्यकारी अभियंता विकास धनखड़ ने बताया कि कमेटी रोड़ पर करीब 10 से 12 मेनहोल सड? के नीचे दबे हुए, जिनके माध्यम से सफाई होनी थी। लोक निर्माण विभाग से मैनहोल को बाहर निकालने की अनुमति ली गई और फिर काम शुरू किया गया है। लाईन में जमा गाद को निकाला जा रहा है, इससे गंदे पानी की निकासी नियमित होगी। कस्बे में खेड़ी दौलतपुर रोड़ पर एसटीपी बना हुआ है, जहां पर लाईन के माध्यम से सीवरेज का पानी जाता है। यह लाईन बिजलीघर के समीप से करीब 300 मीटर तक धंसी हुई है, जिससे गंदे पानी की निकासी प्रभावित हो रही है।

# नागबंधम में अब्दाली का तांडव: ऋषभ साहनी का सबसे डरावना अवतार

अभिषेक नामा की मोस्ट अवेटेड पैन-इंडिया माइथोलॉजिकल एक्शन ड्रामा नागबंधम ने अपने एक अहम किरदार के फर्स्ट लुक के साथ दर्शकों की उत्सुकता कई गुना बढ़ा दी है। वीरत कर्णा की लीड फिल्म में अभिनेता ऋषभ साहनी कुख्यात अफगान सुल्तान अब्दाली के रूप में नजर आएंगे—एक ऐसा किरदार जो क्रूरता, लालच और अंधी महत्वाकांक्षा का प्रतीक है। फर्स्ट-लुक पोस्टर में बर्फ से ढके युद्धक्षेत्र के बीच ऋषभ का खौफनाक अवतार दिखाई देता है—हाथ में खून से सना विशाल युद्धकुल्हाड़ा, आंखों में जुनून और पीछे बढ़ती विशाल सेना। तीरंदाज, युद्ध हाथी और भेड़ियों का झुंड मिलकर तबाही के संकेत देता है। 1750 के दौर की पृष्ठभूमि में रची गई यह कहानी अब्दाली के भारत पर हमलों और हिमालय में छिपे रहस्यमयी नागबंधम को हासिल करने की उसकी निर्दय कोशिशों को उजागर करती है। डायरेक्टर अभिषेक नामा के मुताबिक, ऋषभ ने इस किरदार में ऐसी गहराई भरी है कि इतिहास मानो पर्दे पर जीवित हो उठा हो। महाशिवरात्रि पर आने वाला टीज़र अब इस भव्य गाथा की पहली झलक दिखाने को तैयार है।

# '4 गर्ल्स' ने क्यों झकझोरा दर्शकों का ज़मीर, एक जुर्म, कई सवाल और चार लड़कियों का खतरनाक मिशन

मुंबई (अनिल बेदाग) = जब समाज सवाल पूछने से कतराता है और सिस्टम चुप्पी ओढ़ लेता है, तब कुछ कहानियाँ ऐसी होती हैं जो सन्नाटा तोड़ देती हैं। हाल ही में घटित एक दिल दहला देने वाली सच्ची घटना से प्रेरित फिल्म '4 गर्ल्स' ऐसी ही एक कहानी है जो सिर्फ़ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि दर्शकों को झकझोर कर यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि अगर न्याय देर से मिले या न मिले, तो क्या समाज को खुद खड़ा होना चाहिए? क्राइम, रिवेंज और थ्रिल से भरपूर यह फिल्म आज प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर शानदार प्रतिक्रिया बटोर रही है और अपनी सशक्त विषयवस्तु के कारण चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके साथ भयानक अन्याय होता है। सवाल सिर्फ़ अपराध का नहीं, बल्कि उसके बाद की व्यवस्था का भी है। क्या पुलिस ने अपना फर्ज़ निभाया? क्या पीड़ित परिवार को समाज का साथ मिला? और असल अपराधी कौन थे? जब अपराधी कानून की पकड़ से बचने की कोशिश करते हैं, तब पीड़ित की बहन अपने दोस्तों के साथ मिलकर एक खतरनाक लेकिन साहसी मिशन पर निकलती है। यह मिशन सिर्फ़ बदले का नहीं, बल्कि सच और न्याय की तलाश का है। फिल्म दर्शकों को लगातार इस दुविधा में रखती है कि क्या बदला लिया जाएगा या अपराधियों को कानून के हवाले किया जाएगा? निर्माता यू. नरसिम्हुलु और एस. रमेश, तथा निर्देशक एस. शिवा की यह फिल्म एक मैसेज-ओरिएंटेड क्राइम रिवेंज थ्रिलर है, जो अंत तक सस्पेंस बनाए रखती है। फिल्म का मूल संदेश बेहद साफ़ है, जब न्याय नहीं मिलता, तब समाज को अपराध के खिलाफ आवाज़ उठानी ही पड़ती है। यूनिक्लिक पिक्चर्स के बैनर तले बनी '4 गर्ल्स' इस समय अमेज़न प्राइम, बीसिनेट, एयरटेल एक्सस्ट्रीम, हंगामा प्ले, टाटा प्ले बिंग, वॉचो, व्यूड, क्लाउड वॉकर, ज़ीसन और अमेज़न फायर टीवी स्टिक सहित सभी प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रही है। इसके साथ ही यह फिल्म सभी स्मार्ट टीवी, ब्रॉडबैंड और स्मार्ट स्टिक डिवाइसेज़ पर भी उपलब्ध है जिसका असर दर्शकों की ज़बरदस्त प्रतिक्रिया में साफ़ दिखाई दे रहा है। फिल्म को मिल रहे रिस्पॉन्स से उत्साहित निर्माता यू. नरसिम्हुलु और एस. रमेश कहते हैं, हम बीसिनेट (बी सिने एंटरटेनमेंटस प्राइवेट लिमिटेड) के विशेष रूप से आभारी हैं, जिन्होंने हमारी फिल्म को सीधे सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज़ किया। खास तौर पर बोयापाटी दिलीप कुमार का धन्यवाद। फिल्म में श्रुतिका गाओक्कर, अकांक्षा वर्मा, दितिप्रिया रॉय, सेजल मंडाविया, अंकुर, प्रिंस और हंसी

श्रीनिवास्तव के अभिनय की खास सराहना हो रही है। सिनेमैटोग्राफी जगदीश की है, संगीत जयसूर्या का है, जबकि बैकग्राउंड स्कोर एम. एन. आर. ने दिया है। एक्शन सीक्वेंस को ड्रैगन प्रकाश ने प्रभावशाली ढंग से डिज़ाइन किया है।

# एक खूबसूरत प्रेम कहानी से कहीं ज्यादा है दो दीवाने सहर में : संदीपा धर

संजय लीला भंसाली के बैनर तले रोमांटिक ड्रामा दो दीवाने सहर में का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, भावनात्मक उलझनों और आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में प्यार की बदलती परिभाषाओं को संवेदनशील तरीके से पेश करती है, जो एक साथ निजी भी हो और बेहद रिलेटेबल भी। ट्रेलर रिलीज होते ही दर्शकों में चर्चा का विषय बन गया है। यह फिल्म मुंबई की चमक-दमक वाली जिंदगी में दो ऐसे लोगों की कहानी बताती है जो अपनी कमियों से जूझते हुए प्यार ढूंढते हैं। ट्रेलर में संदीपा धर की छोटी लेकिन प्रभावशाली एंट्री ने खासा ध्यान खींचा है। भले ही उनका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन हर फ्रेम में उनका कॉन्फिडेंस और मजबूत प्रेजेंस साफ दिखता है। एक सीन में अभिनेत्री हरे रंग की खूबसूरत ड्रेस में और दूसरे में सिंपल-एलीगेंट लुक में नजर आ रही हैं। संदीपा ने अपने स्क्रीन प्रेजेंस से उत्सुकता का तड़का लगाया है। उनकी मौजूदगी फिल्म के अर्बन और रोमांटिक मूड के साथ अच्छी तरह घुलमिल गई है। उनकी संयमित और सधी हुई एक्टिंग से लगता है कि संदीपा का किरदार भावनात्मक गहराई वाला है, जो फिल्म में आगे चलकर खुलकर सामने आएगा। संजय लीला भंसाली जैसे बड़े फिल्ममेकर के साथ काम करना संदीपा के करियर का महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने अब तक ऐसे रोल चुने हैं, जो उन्हें एक बेहतर एक्ट्रेस के रूप में आगे ले जाते हैं। इसी कड़ी में 'दो दीवाने सहर में' से उनका जुड़ाव कंटेंट-ड्रिवन और लेयर्ड सिनेमा की ओर उनके सोच-समझकर किए गए कदम को दर्शाता है। संदीपा ने फिल्म को लेकर कहा, फिल्म दो दीवाने सहर में का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है। मृणाल, मेरी रोशनी, तुम्हारी परफॉर्मेंस में इतनी ईमानदारी और संवेदनशीलता है कि कई बार मैं भूल जाती थी कि तुम अभिनय कर रही हो। वहीं, रवि उदय सर, आप पलों को ऐसे कैद करते हैं कि मैं उन्हें महसूस करती हूं। अभिरूचि आनंद और पूरी टीम को शुक्रिया। हालांकि, फिल्म में संदीपा के किरदार से जुड़ी जानकारी को गोपनीय रखा गया है, लेकिन ट्रेलर देखकर पता चलता है कि फिल्म में अभिनेत्री को एक फ्रेश, कॉन्फिडेंट और खूबसूरत अंदाज में देखा जाएगा।

# अगर पिता नाग हैं तो क्या मैं नागिन हूं? एकता कपूर ने पिता जितेंद्र के लिए लिखा मजेदार पोस्ट

जहां एक बेटी के लिए उसके पिता हीरो होते हैं, वहीं मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर के लिए उनके पिता की छवि अलग है। इसका खुलासा उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किया कि उनकी नजर में पिता जितेंद्र की क्या इमेज है। उन्होंने इस पोस्ट में एक वीडियो शेयर कर खुलासा किया कि अगर उनके पिता नाग हैं तो क्या एकता प्रोड्यूसर हैं। दरअसल, एकता ने जितेंद्र की फिल्म नागिन का गाना तेरे संग प्यार में का वीडियो शेयर किया। इसमें जितेंद्र अभिनेत्री रीना रॉय के साथ डांस कर रहे हैं। एकता ने पोस्ट कर लिखा, मेरे पिता असली नाग (इछाधारी) थे, तो क्या इसका मतलब है कि मैं भी नागिन हूं? 1976 की फिल्म नागिन में जितेंद्र ने एक अहम भूमिका निभाई थी, जो इछाधारी नाग-नागिन की कहानी पर आधारित थी। सॉन्ग तेरे संग प्यार में की बात करें तो इसे लता मंगेश्कर और महेंद्र कपूर ने अपने सुरों से सजाया है और वर्मा मलिक ने इसके लिरिक्स लिखे हैं, जबकि लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया है। साल 1976 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म नागिन में जितेंद्र ने मुख्य भूमिका (नाग के रूप में) निभाई थी, और रीना रॉय इछाधारी नागिन

बनी थीं। राज कुमार कोहली द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक थी, जिसमें सुनील दत्त, रेखा, मुमताज, फिरोज खान और संजय खान जैसे कलाकार भी शामिल थे। फिल्म की कहानी एक इछाधारी नागिन की थी, जो अपने प्रेमी (जितेंद्र) की हत्या का बदला लेने के लिए शिकारियों के समूह को एक-एक करके मारती है। एकता कपूर नागिन फ्रेंचाइजी की निर्माता के रूप में भी जानी जाती हैं। उन्होंने नागिन सीरीज के कई सीजन प्रोड्यूस किए हैं, जो टेलीविजन पर काफी लोकप्रिय हुए। इन दिनों नागिन 7 टीवी पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री प्रियंका चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं।

# उरी उरी बाबा की शूटिंग के दौरान सोनम खान के पैरों में पड़ गए थे छाले, अभिनेत्री ने सालों बाद बयां किया दर्द

त्रिदेव, विश्वात्मा, अजूबा, मिट्टी और सोना, और क्रोध जैसी फिल्मों में काम कर अपने अभिनय का लोहा मनवाने वाली अभिनेत्री सोनम खान सोशल मीडिया पर अक्सर पुरानी फिल्मों के किस्से शेयर करती रहती हैं। अभिनेत्री ने ऐसी ही फिल्म दुश्मन देवता के गाने उरी उरी बाबा का एक मजेदार किस्सा शेयर किया। दरअसल, अभिनेत्री ने गुरुवार को इंस्टाग्राम के जरिए गाने का किस्सा शेयर करते हुए बताया कि इसकी शूटिंग के दौरान उन्हें नंगे पैर डांस करना पड़ा, जिसकी वजह से उनके पैरों में छाले भी पड़ गए थे। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर गाने का क्लिप शेयर किया। इसमें अभिनेत्री सूरज पंचोली के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, हां, ये मैं ही हूं। उरी उरी बाबा... इस गाने की शूटिंग के दौरान बहुत यादा गर्मी थी। मुझे नंगे पैर डांस करना पड़ा और पैरों में छाले भी पड़ गए। फैंस को सोनम का पोस्ट काफी पसंद आ रहा है। वे कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। साल 1991 में रिलीज हुई फिल्म दुश्मन देवता का गाना उरी उरी बाबा ऊषा उथुप ने गाया है, जबकि लिरिक्स अंजान ने लिखे हैं और बप्पी लहरी ने इसका संगीत तैयार किया है। अनिल गांगुली द्वारा निर्देशित एक्शन-ड्रामा फिल्म दुश्मन देवता में धर्मेंद्र, डिंपल कपाड़िया, आदित्य पंचोली और सोनम मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म डाकुओं और जंगली जानवरों से पीड़ित एक गांव की कहानी है, जहां धर्मेंद्र ने एक रक्षक की भूमिका निभाई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर यादा कमाल नहीं दिखा पाई थी, जिस वजह से निर्माता को भारी नुकसान हुआ था। फिल्म की कहानी गांव वालों द्वारा मास्टर दीनानाथ की हत्या के बाद एक सुधरे हुए चोर (धर्मेंद्र) पर शक करने के इर्द-गिर्द घूमती है। गांव वाले उसे देवता (भगवान) समझने लगते हैं, जबकि वह एक छिपे हुए एजेंडे के साथ गांव में आता है। सोनम की बात करें तो उन्होंने हिंदी सिनेमा में अछी पहचान बनाई थी, लेकिन कुछ वजह से जल्द ही सिनेमा छोड़ भी दिया था। उन्होंने करियर की शुरुआत 1987 में तेलुगु फिल्म से की थी, लेकिन उन्हें पहचान तिरछी टोपी गाने से मिली थी।

# बर्थडे स्पेशल- अमेरिकी सिंगर जोएन बाएज, जिनके सुरों ने सोते समाज को जगाया

जोएन बाएज अमेरिका की जानी मानी शख्सियत का नाम है। बतौर लोक गायिका धाक जमाई, लेकिन बदलते वक्त के साथ अमेरिकी सांस्कृतिक और राजनीतिक चेतना की प्रतीक बन गईं। उनकी साफ, प्रभावशाली आवाज और सामाजिक अन्याय के खिलाफ बेबाक रुख ने न सिर्फ संगीत की दुनिया को, बल्कि हॉलीवुड और अमेरिकी पॉप कल्चर को भी गहराई से प्रभावित किया। 1960 के दशक में जब अमेरिका नागरिक अधिकार आंदोलन, वियतनाम युद्ध और सामाजिक असमानताओं से जूझ रहा था, उस दौर में जोएन बाएज की गायकी विरोध की आवाज बनकर उभरी। उन्होंने मंच को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि उसे सामाजिक संवाद का शक्तिशाली औजार

बना दिया। यही कारण है कि उनकी छवि एक प्रोटेस्ट सिंगर से आगे बढ़कर सांस्कृतिक आइकन की बन गई। 9 जनवरी 1941 को जन्मी जोएन अमेरिका की आवाज कब बन गईं पता ही नहीं चला! हॉलीवुड पर उनका प्रभाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप में दिखाई देता है। कई अमेरिकी फिल्मों और डॉक्यूमेंट्रीज में उनके गीतों का इस्तेमाल हुआ, जिनमें सामाजिक संघर्ष, युद्ध विरोध और मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखा गया। उनकी मौजूदगी ने अमेरिकी सिनेमा को यह दिखाया कि संगीत केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि कहानी कहने का नैतिक और भावनात्मक माध्यम भी हो सकता है। जोएन बाएज का नाम अक्सर बॉब डिलन के साथ भी जोड़ा जाता है, लेकिन उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। हॉलीवुड की कई राजनीतिक और ऐतिहासिक फिल्मों में जिस तरह से लोक संगीत और विरोध गीतों का प्रयोग हुआ, उसकी प्रेरणा कहीं न कहीं बाएज जैसी कलाकारों से ही आई। अमेरिकी डॉक्यूमेंट्री सिनेमा में उनका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय माना जाता है, जहां उनकी आवाज ने वास्तविक घटनाओं को मानवीय स्पर्श दिया।

घुसखोर पंडत पर एफडब्ल्यूआईसीई की बड़ी कार्यवाही

# फिल्म टाइटल को बताया भड़काऊ

## प्रोड्यूसर को भेजा धमकी भरा नोटिस

मनोज बाजपेयी स्टारर अपकमिंग फिल्म घूसखोर पंडत के टाइटल को लेकर विवाद गहराता जा रहा है. फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने नीरज पांडे की फिल्म के टाइटल पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे अपमानजनक बताया. एफडब्ल्यूआईसीई फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री के 36 संबद्ध संघों के माध्यम से कलाकारों, तकनीशियनों और अन्य कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है. फेडरेशन ने इस टाइटल को एक खास समुदाय और उनकी पारंपरिक आजीविका के प्रति अपमानजनक बताया है. एफडब्ल्यूआईसीई ने इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन, प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया, इंडियन फिल्म एंड टेलीविजन प्रोड्यूसर्स काउंसिल, वेस्टर्न इंडिया फिल्म एंड टीवी प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स जैसे अमेजन, नेटफ्लिक्स, जी5, डिनी प्लस हॉटस्टार को पत्र लिखकर इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है. पत्र में कहा गया है कि घुसखोर पंडत टाइटल भावनाओं को ठेस पहुंचाने, गलतफहमी फैलाने और सामाजिक सद्भाव को बिगाड़ने की क्षमता रखता है. फेडरेशन का मानना है कि समाज में जाति, धर्म, पंथ या पेशे के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए. हर पेशा सम्मान और गरिमा का हकदार है. फिल्म इंडस्ट्री अभिव्यक्ति की आजादी का माध्यम होने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाती है, इसलिए फिल्मों के टाइटल और कंटेंट में नफरत, अनादर या अशांति फैलाने वाली कोई बात नहीं होनी चाहिए. एफडब्ल्यूआईसीई ने नीरज पांडे और उनके प्रोडक्शन हाउस फ्राइडे फिल्मवर्क्स से अपील की है कि वह सामाजिक सद्भाव और एकता के व्यापक हित में इस टाइटल को तुरंत वापस ले लें.

# पंडत की जगह पुजारी शब्द इस्तेमाल करने से विवाद खत्म हो जाएगा : जलोटा

अभिनेता मनोज बाजपेयी की फिल्म घूसखोर पंडत के टाइटल को लेकर समाज के कुछ वर्ग काफी नाराज हैं। इस विवाद ने न केवल कानूनी और राजनीतिक मोड़ लिया है, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक स्तर पर भी बहस छेड़ दी है। विवाद फिल्म के टाइटल को लेकर है, जिसमें पंडत शब्द के इस्तेमाल को कुछ लोग अपमानजनक करार दे रहे हैं। इस कड़ी में मशहूर भजन और गजल गायक अनूप जलोटा ने अपनी राय रखी। अनूप जलोटा ने कहा, फिल्म घूसखोर पंडत के टाइटल पर विवाद होना स्वाभाविक है।

किसी जाति को सीधे तौर पर घूसखोर कहने का मामला स्वीकार्य नहीं है। इस टाइटल से ब्राह्मण समुदाय को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाने जैसा लगता है, और यह किसी भी धर्म या जाति के लिए अपमानजनक है। अनूप जलोटा ने इस समस्या का समाधान सुझाते हुए कहा, टाइटल में छोटा सा बदलाव करके इसे विवाद से बचाया जा सकता है। अगर इसमें पंडत की जगह पुजारी शब्द इस्तेमाल कर दिया जाए, तो विवाद खत्म हो जाएगा। पुजारी कोई भी हो सकता है। यह शब्द किसी धर्म या जाति विशेष के लिए नहीं है। पुजारी का मतलब है जो पूजा करता है। इसमें किसी विशेष व्यक्ति या समुदाय को निशाना नहीं बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, घूसखोर पुजारी टाइटल रखने से फिल्म का संदेश बना रहेगा और किसी समुदाय की भावनाएं भी आहत नहीं होंगी।

फिल्म में मनोज बाजपेयी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी अजय दीक्षित की भूमिका में हैं, जिसे फिल्म में पंडत के नाम से बुलाया जाता है। टाइटल के कारण मध्य प्रदेश, लखनऊ और अन्य शहरों में ब्राह्मण समुदाय के लोगों के बीच आक्रोश है। वे फिल्म के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अलावा, मुंबई और लखनऊ में एफआईआर दर्ज की गई और दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई, जिसमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की गई। वहीं, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को नोटिस भेजा है। दूसरी तरफ विवाद बढ़ने पर निर्देशक नीरज पांडे ने भी आधिकारिक बयान जारी कर साफ किया कि यह एक पूरी तरह काल्पनिक पुलिस ड्रामा है और पंडत शब्द सिर्फ एक फिक्शनल किरदार का बोलचाल का नाम है। उन्होंने माना कि टाइटल से कुछ लोगों को ठेस पहुंची है और इसी कारण फिलहाल सभी प्रमोशनल सामग्री हटाने का फैसला लिया गया है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com